BUZZ CHRONICLES > ALL
Saved by @SriramKannan77
See On Twitter

Twitter Thread by Rishabh Arya

Rishabh Arya
@limitlessarya

Shocking ! Quran Says Quran is not real
Since muslim believes each and every word of quran to be true , they must accept the fact that quran itself discard the current quran and says the real quran(knowledge of Almighty) is something else which turns out to be Vedas. - Thread

Now Quran clearly says we made the current quran from the mother of book , and made current quran in arabic for you. - Equation - 1

Our Equation 1 concludes Definitely the current quran is not real.

Sura 43 – aj zukhruf (4) Says

Ha, Meem (1)

By the clear Book (2)

Indeed, We have made it an Arabic Qur'an that you might understand (3)

Indeed, We have made it an Arabic Qur'an that you might understand

And indeed it is, in the Mother of the Book with Us, exalted and full of wisdom. (quranonline.net)

Equation - 1 in hindi

■■■ ■■■■■ - means the original one is different and current quran is not real.

Also original Book is full of wisdom - just remember this fact.

हा॰ मीम॰ (1) Share

- गवाह है स्पष्ट किताब। (2) Share
- हमने उसे अरबी क़ुरआन बनाया, ताकि तुम समझो। (3) Share
- और निश्चय ही वह मूल किताब में अंकित है, हमारे यहाँ बहुत उच्च कोटि की, तत्वदर्शिता से परिपूर्ण है। (4)

Sura 43 – aj zukhruf (4)

Again quran says the clear register is different from this quran.
Many times these words came in quran like "roshan kitab ki kasam" , quran itself saying original quran is not with us but with him (almighty)

2: **अल्लाह जो कुछ चाहता है मिटा देता है। इसी तरह वह क़ायम भी रखता है। मूल किताब तो स्वयं उसी के पास है। अर-रअद (39)**

Allah eliminates what He wills or confirms, and with Him is the Mother of the Book. – ar – ra-ad (39)

Sura 44, dukhan ,

हा॰ मीम॰ (1) Share

- गवाह है स्पष्ट किताब। (2)

Read both verses in hindi and english.
The original quran contains all the knowledge from subtler to macro entities of universe as per these verses. - equation 2 question - but where is that original quran is ? which book is original quran as per these verses. We will answer.

जिन लोगों ने इनकार किया उनका कहना है कि "हमपर क़ियामत की घड़ी नहीं आएगी।" कह दो, "क्यों नहीं, मेरे परोक्ष ज्ञाता रब की क़सम! वह तो तुमपर आकर रहेगी - उससे कणभर भी कोई चीज़ न तो आकाशों में ओझल है और न धरती में, और न इससे छोटी कोई चीज़ और न बड़ी। किन्तु वह एक स्पष्ट किताब में अंकित है। - (3) sura 34

But those who disbelieve say, "The Hour will not come to us." Say, "Yes, by my Lord, it will surely come to you. [Allah is] the Knower of the unseen." Not absent from Him is an atom's weight within the heavens or within the earth or [what is] smaller than that or greater, except that it is in a clear register – (3) Sura – 34

तुम जिस दशा में भी होते हो और क़ुरआन से जो कुछ भी पढ़ते हो और तुम लोग जो काम भी करते हो हम तुम्हें देख रहे होते हैं, जब तुम उसमें लगे होते हो। और तुम्हारे रब से कण भर भी कोई चीज़ छिपी नहीं है, न धरती में न आकाश में और न उससे छोटी और न बड़ी कोई चीज़ ऐसी है जो एक स्पष्ट किताब में मौजूद न हो। (61) Sura – 10

And, [O Muhammad], you are not [engaged] in any matter or recite any of the Qur'an and you [people] do not do any deed except that We are witness over you when you are involved in it. And not absent from your Lord is any [part] of an atom's weight within the earth or within the heaven or [anything] smaller than that or greater but that it is in a clear register (61) (Sura -10)

Here these verses says orginal quran contains all the knowledge about subtler particles to macro one.
The quran also hints toward original quran let uas find out which one is thhe originl quran or original knowledge of almighty.

देखिये कुरान में कहा गया है कि- व मा तक्नु फीव शअनिव-व..........।। (कुरान मजीद पारा ११ सूरा यूनुस रूकू ७ आयत ६१)

न जमीनमें और न आसमान में और जर्रे से छोटी चीज हो या बड़ी? सभी बातें रोशन किताब में लिखी हुई हैं। व कालल्लजी-न क-फरू ला..........।।

(कुरान मजीद पारा २२ सूरा सबा १ आयत ३)

जर्रा से छोटी और जर्रा से बड़ी जितनी चीजे हैं रोशन किताब में सब लिखी हुई हैं।

The original quran is written on lohe mahfuj.
what is written on lohe mahduj we will find out.

-------लोहे महफूज़ -----

Sura 85 - buruj , (21,22)

नहीं, बल्कि वह तो गौरवशाली क़ुरआन है, (21) Share

- सुरक्षित पट्टिका में अंकित है।(22)

But this is an honored Qur'an (21)

in a Preserved Slate (22)

Again this talks about lohe mahfuj. Dara shikoh brother of aurangjeb revealed that what is written on lohe mahfuj.

Sura -7 , aayat 145

And We wrote for him on the tablets [something] of all things - instruction and explanation for all things, [saying], "Take them with determination and order your people to take the best of it. I will show you the home of the defiantly disobedient."

और हमने उसके लिए तख़्तियों पर उपदेश के रूप में हर चीज़ का विस्तृत वर्णन लिख दिया। अतः उनको मज़बूती से पकड़। उनमें उत्तम बातें हैं। अपनी क़ौम के लोगों को हुक्म दे कि वे उनको अपनाएँ। मैं शीघ्र ही तुम्हें अवज्ञाकारियों का घर दिखाऊँगा। (145)

Dara shikoh reveals that the secret book mentioned in quran is a knowledge that only revealed to those who are pure souls. It is none other than holy Vedas reveals dara shikoh.

हिजरी में उस समय के वेदों और उपनिषदों के ज्ञाता प्रसिद्ध पण्डितों और सन्यासियों को एकत्रित करके उनकी सहायता से स्वयं उपनिषदों का फारसी भाषा में अनुवाद किया। ईशोपनिषद् के विषय में (जो अन्य सब उपनिषदों का मूल और स्वयं काण्व शाखा के यजुर्वेद का ४०वां अध्याय है) दाराशिकोह ने लिखा कि—

किताब क़दीम कि बेशको-शुबह अव्वलीन किताब समावी व सरे-चश्माये-तहक़ीक़ व बहरे-तोहीदस्त।

यह पुस्तक अनादि है और इसमें किसी प्रकार का सन्देह नहीं कि समस्त ईश्वरीय पुस्तकों में यह प्राचीनतम है और परम सत्य का स्रोत तथा ब्रह्मज्ञान का समुद्र है।

कुरान में वेद का निर्देश

दारा शिकोह ने इस प्रकार वेदों को परम पवित्र ईश्वरीय ज्ञान के रूप में स्वीकार किया और साथ ही बताया कि कुरान के एक वाक्य में वेदों का निर्देश किया गया है। जो अरबी के निम्न शब्दों में है—

इन्न क़ुराने करीम—फ़ी किताब मंकनूं—लाये मस्सहू इल्ला अल् मतहून—तंज़ीलमिन् जब्बुल आलमीन।

दाराशिकोह के अनुसार इस अरबी-वाक्य का तात्पर्य यह है कि—

कुरान शरीफ़ एक पुस्तक है और वह पुस्तक गुप्त है। उसका ज्ञान उसी को होता है जिसका हृदय पवित्र हो और वह पुस्तक संसार के पालनकर्ता ईश्वर की ओर से प्रकट हुई है।

कुरान शरीफ़ की उपर्युक्त पंक्तियों में कुरान के विषय में तीन बातों का उल्लेख किया गया है, अर्थात् (१) कुरान शरीफ़ किसी अन्य पुस्तक में विद्यमान है और वह पुस्तक गुप्त है। (२) उस पुस्तक को जिसमें कुरान विद्यमान है कोई नहीं

Finally Dara Shikoh reveals that the book mentioned by quran is none other than Vedas or upnishad.

Hencefrom equation 1 and 2 it proves

1. current quran is not real
2. Original quran is something else
3. That original book are Vedas.

@DharmaOfVedas @SanjeevSanskrit

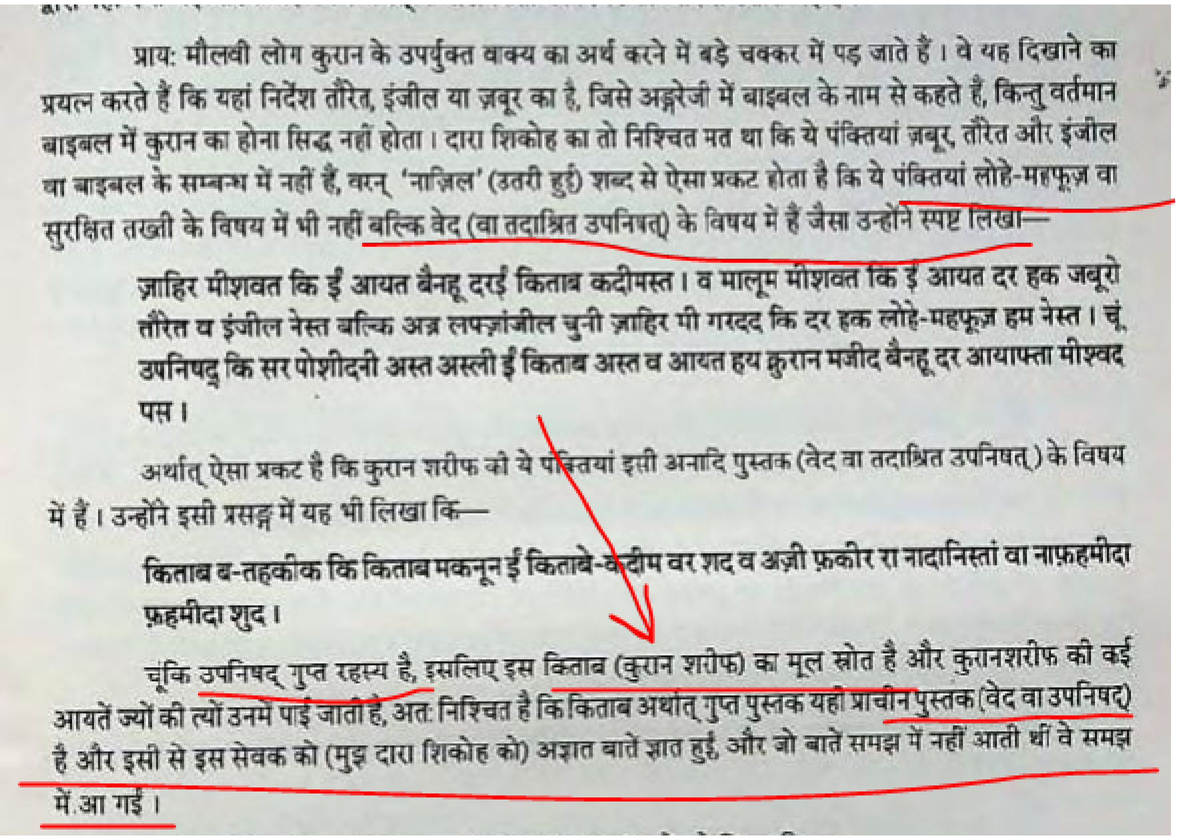

प्राय: मौलवी लोग कुरान के उपर्युक्त वाक्य का अर्थ करने में बड़े चक्कर में पड़ जाते हैं। वे यह दिखाने का प्रयत्न करते हैं कि यहां निर्देश तौरेत, इंजील या ज़बूर का है, जिसे अङ्ग्रेजी में बाइबल के नाम से कहते हैं, किन्तु वर्तमान बाइबल में कुरान का होना सिद्ध नहीं होता। दारा शिकोह का तो निश्चित मत था कि ये पंक्तियां ज़बूर, तौरेत और इंजील वा बाइबल के सम्बन्ध में नहीं हैं, वरन् 'नाज़िल' (उतरी हुई) शब्द से ऐसा प्रकट होता है कि ये पंक्तियां लोहे-महफूज़ वा सुरक्षित तख्ती के विषय में भी नहीं बल्कि वेद (वा तदाश्रित उपनिषत्) के विषय में हैं जैसा उन्होंने स्पष्ट लिखा—

ज़ाहिर मीशवत कि ईं आयत बैनहू दरईं किताब कदीमस्त। व मालूम मीशवत कि ईं आयत दर हक जबूरो तौरेत व इंजील नेस्त बल्कि अज़ लफ्ज़ांजील चुनी ज़ाहिर मी गरदद कि दर हक लोहे-महफूज़ हम नेस्त। चूं उपनिषद् कि सर पोशीदनी अस्त अस्ली ईं किताब अस्त व आयत हय कुरान मजीद बैनहू दर आयाफ्ता मीश्वद पस।

अर्थात् ऐसा प्रकट है कि कुरान शरीफ की ये पंक्तियां इसी अनादि पुस्तक (वेद वा तदाश्रित उपनिषत्) के विषय में हैं। उन्होंने इसी प्रसङ्ग में यह भी लिखा कि—

किताब ब-तहकीक कि किताब मकनून ईं किताबे-कदीम वर शद व अज़ी फ़कीर रा नादानिस्तां वा नाफ़हमीदा फ़हमीदा शुद।

चूंकि उपनिषद् गुप्त रहस्य है, इसलिए इस किताब (कुरान शरीफ) का मूल स्रोत है और कुरानशरीफ की कई आयतें ज्यों की त्यों उनमें पाई जाती हैं, अत: निश्चित है कि किताब अर्थात् गुप्त पुस्तक यही प्राचीन पुस्तक (वेद वा उपनिषद्) है और इसी से इस सेवक को (मुझ दारा शिकोह को) अज्ञात बातें ज्ञात हुई, और जो बातें समझ में नहीं आती थीं वे समझ में आ गईं।

Hence it is clear that acco. to current quran , the original knowedge of ishwar is something else, and that is none other than Vedas. Now every muslim who believe in current quran should accept the vedas as the ultimate source of all knowledge.

@SanjeevSanskrit @DharmaOfVedas